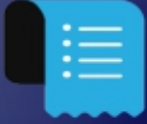


फर्जी जुर्माना

फर्जी संदेशों/कॉल के माध्यम से ई-चालान घोटाले पर कहानी



एक दिन राजू को उसके मोबाइल पर एक एसएमएस आया।



राजू को ट्रैफिक उल्लंघन का संदेश देखकर आश्चर्य हुआ। पिछले हफ्ते से उसकी बाइक खराब हो गई है और चल नहीं रही है।



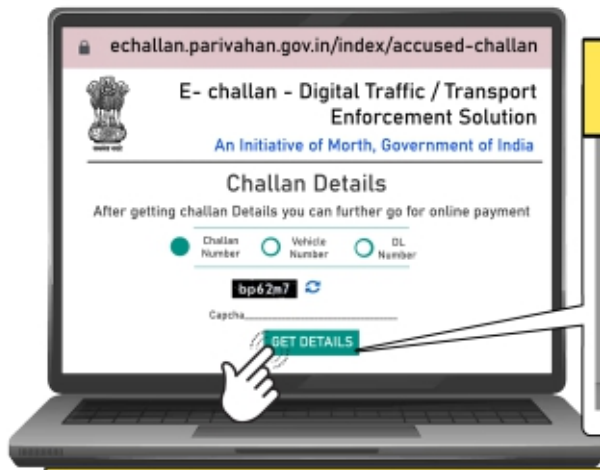
आरटीओ कार्यालय

कुछ मिनट बाद उसे एक अज्ञात नंबर से कॉल आया।

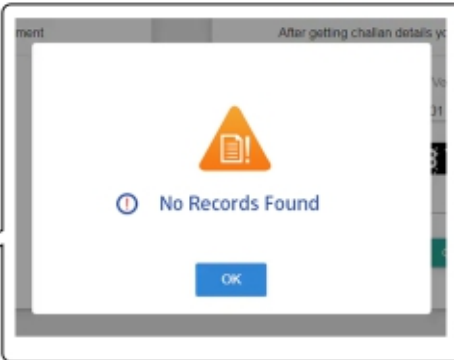
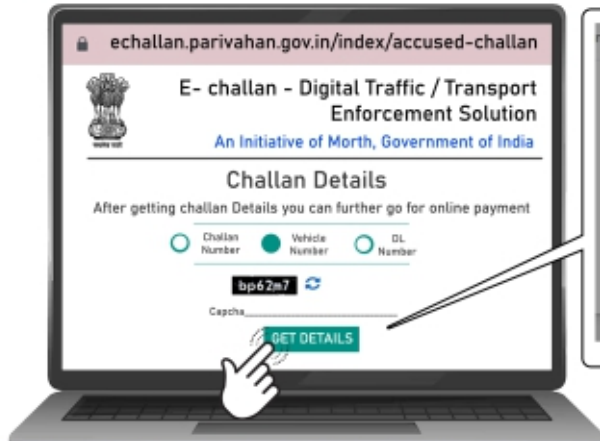
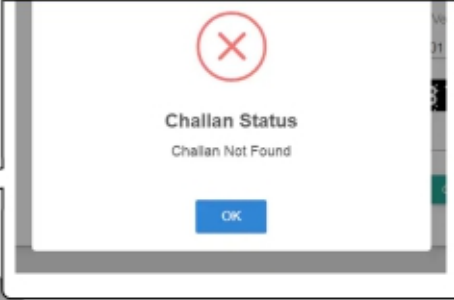


राजू को कुछ समझ में नहीं आ रहा था। असमंजस में पड़कर उसने अपने दोस्त 'साइबर-रक्षक' को फोन करके सारी बात बताई।





चालान नंबर लगाने पर चालान नहीं मिला।
क्या? इस नंबर से कोई चालान नहीं मिला।



फिर राजू ने भी अपनी गाड़ी के नंबर से चेक किया लेकिन उसे अपनी गाड़ी के खिलाफ कोई चालान जारी नहीं मिला।

राजू को तुरंत ही पता चल गया कि यह एक फर्जी चालान नंबर था जिसका इस्तेमाल धोखेबाज ने उसे धोखा देने के लिए किया था।

फर्जी संदेशों से मूर्ख मत बनो!!

यदि इस प्रकार का संदेश प्राप्त होता है, तो हमेशा नीचे दिए गए चेतावनी संकेतों की जांच करें और इस तरह के घोटाले से बचने के लिए निवारक उपायों का पालन करें।

चेतावनी संकेत

- ⚠ संदिग्ध प्रेषक आईडी जिसमें 10 अंकों का मोबाइल नंबर हो।
- ⚠ फर्जी यूआरएल / लिंक
- ⚠ संदेश में इंजन नंबर, चैसिस नंबर जैसे वाहन का विवरण नहीं दिया गया है

ऐसे घोटाले से कैसे बचें?

- » अनचाहे एसएमएस और ईमेल पर प्राप्त किसी भी अज्ञात लिंक पर कभी भी क्लिक न करें।
- » किसी भी अनजान कॉल/संदेश आदि पर भरोसा न करें।
- » कभी भी किसी के साथ या किसी अज्ञात वेबसाइट, सोशल मीडिया, मैसेजिंग ऐप आदि पर व्यक्तिगत / संवेदनशील / वित्तीय जानकारी साझा न करें।
- » किसी भी टैफ़िक चालान की स्थिति या जारी करने की जांच के लिए हमेशा सरकारी आधिकारिक वेबसाइट <https://parivahan.gov.in> या M-Parivahan मोबाइल ऐप देखें।

